छठी भारत-ओपेक ऊर्जा वार्ता

प्रिलिम्स के लिये:

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन, OPEC+, नवीकरणीय ऊर्जा

मेन्स के लिये:

भारत के ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ, भारत के ऊर्जा परिवर्तन को आकार देने वाली पहल

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

भारत और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (Organization of the Petroleum Exporting Countries- OPEC) के बीच **ऊर्जा वार्ता** के तहत छठी उच्च-स्तरीय बैठक 9 नवंबर, 2023 को **ऑस्ट्रिया के वियना में OPEC के सचिवालय** में आयोजित की गई।

- बैठक में तेल और ऊर्जा बाज़ारों के महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई।

भारत-OPEC ऊर्जा वार्ता की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- बैठक में तेल और ऊर्जा बाज़ारों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें **उपलब्धता, सामर्थ्य तथा स्थिरता** सुनिश्चित करने पर विशेष ज़ोर दिया गया, जो कि ऊर्जा बाज़ारों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक हैं।
- बैठक दोनों पक्षों द्वारा **OPEC और भारत के बीच बढ़ते सहयोग** को बढ़ावा देने के महत्त्व को रेखांकित करने के साथ संपन्न हुई।
- **वर्ल्ड ऑयल आउटलुक 2023** का अनुमान है कि **भारत** की **अर्थव्यवस्था वर्ष 2022-2045 के बीच 6.1 प्रतिशत** की औसत **दीर्घकालिक वृद्धि के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्था होगी** और उसी दौरान **वृद्धिशील वैश्विक ऊर्जा मांग 28 प्रतिशत से अधिक होगी।**
  - दोनों पक्षों ने वैश्विक आर्थिक विकास तथा ऊर्जा मांग में **तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता**, **कच्चे तेल के आयातक** एवं **चौथे सबसे बड़े वैश्विक तेल शोधक** के रूप में **भारत** की महत्त्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।
- बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था तथा जलवायु परिवर्तन शमन के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों एवं पहलों को भी स्वीकार किया गया।
- भारत-ओपेक ऊर्जा वार्ता के तहत अगली उच्च स्तरीय बैठक वर्ष 2024 में भारत में आयोजित करने पर सहमति बनी।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC) क्या है?

- **पारिचय:**
  - पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (Organization of the Petroleum Exporting Countries- OPEC) एक स्थायी, अंतर-सरकारी संगठन है, जिसका गठन वर्ष 1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब एवं वेनेज़ुएला द्वारा किया गया था।
    - इसका **मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया** में है।
- **उद्देश्य:**
  - OPEC का उद्देश्य **सदस्य देशों के बीच पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय एवं एकीकरण करना** है, ताकि पेट्रोलियम उत्पादकों के लिये **उचित व स्थिर कीमतें** सुनिश्चित की जा सकें; उपभोक्ता देशों को पेट्रोलियम की आर्थिक रूप से उचित तथा नियमित आपूर्ति की जा सके जिससे संबद्ध उद्योग में निवेश करने वालों को पूंजी पर उचित लाभ मिलेगा।
- **सदस्य देश:**
  - अल्जीरिया, अंगोला, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात तथा वेनेज़ुएला इसके सदस्य हैं।

- **OPEC के सदस्य देश विश्व के लगभग 30% कच्चे तेल का उत्पादन करते हैं।**
    - **संगठन के अंतर्गत सऊदी अरब सबसे बड़ा एकल तेल आपूर्तिकर्त्ता है** , जो प्रतिदिन 10 मिलियन बैरल से अधिक तेल का उत्पादन करता है।

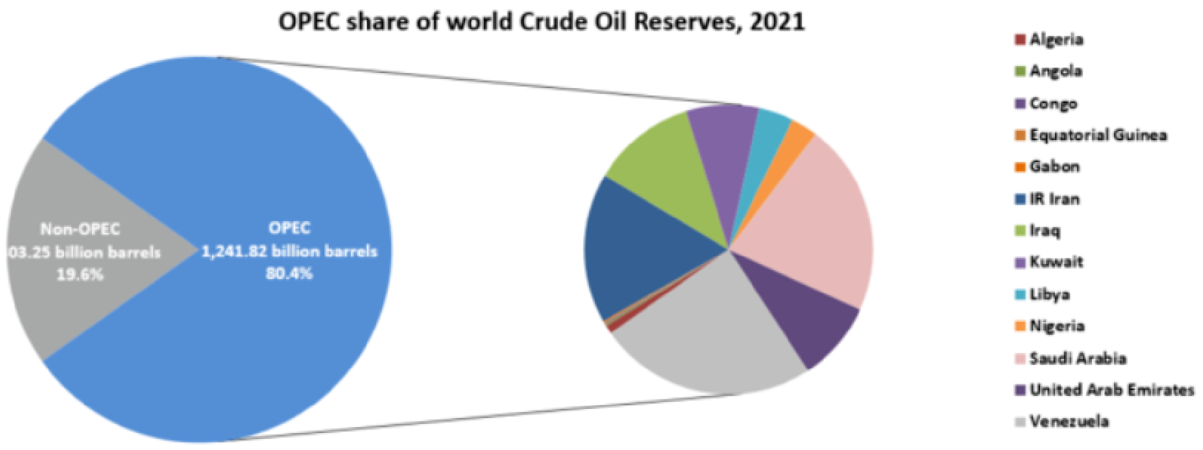

OPEC proven crude oil reserves , at end 2021 (billion barrels, OPEC share)

Venezuela	303.47	24.4%	United Arab Emirates	111.00	8.9%	Algeria	12.20	1.0%	Equatorial Guinea	1.10	0.1%
Saudi Arabia	267.19	21.5%	Kuwait	101.50	8.2%	Angola	2.52	0.2%			
IR Iran	208.60	16.8%	Libya	48.36	3.9%	Gabon	2.00	0.2%			
Iraq	145.02	11.7%	Nigeria	37.05	3.0%	Congo	1.81	0.1%			

Source: OPEC Annual Statistical Bulletin 2022

//

- **रिपोर्ट और आउटलुक:**
    - मासिक तेल बाज़ार रिपोर्ट, वार्षिक सांख्यिकीय बुलेटिन और विश्व तेल आउटलुक।
- **ओपेक प्लस:**
    - वर्ष 2016 में अमेरिकी शेल तेल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के परिणामस्वरूप तेल की गिरती कीमतों के जवाब में **ओपेक ने 10 अन्य तेल उत्पादक देशों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये,** जिसे अब **ओपेक प्लस** के रूप में जाना जाता है।
        - ओपेक प्लस में अब अज़रबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कज़ाखस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान और सूडान के साथ 13 ओपेक सदस्य देश शामिल हैं।
    - **ओपेक प्लस देश संयुक्त रूप से विश्व के कुल कच्चे तेल का लगभग 40% का उत्पादन करते हैं।**

Organization of the Petroleum Exporting Countries (OPEC)

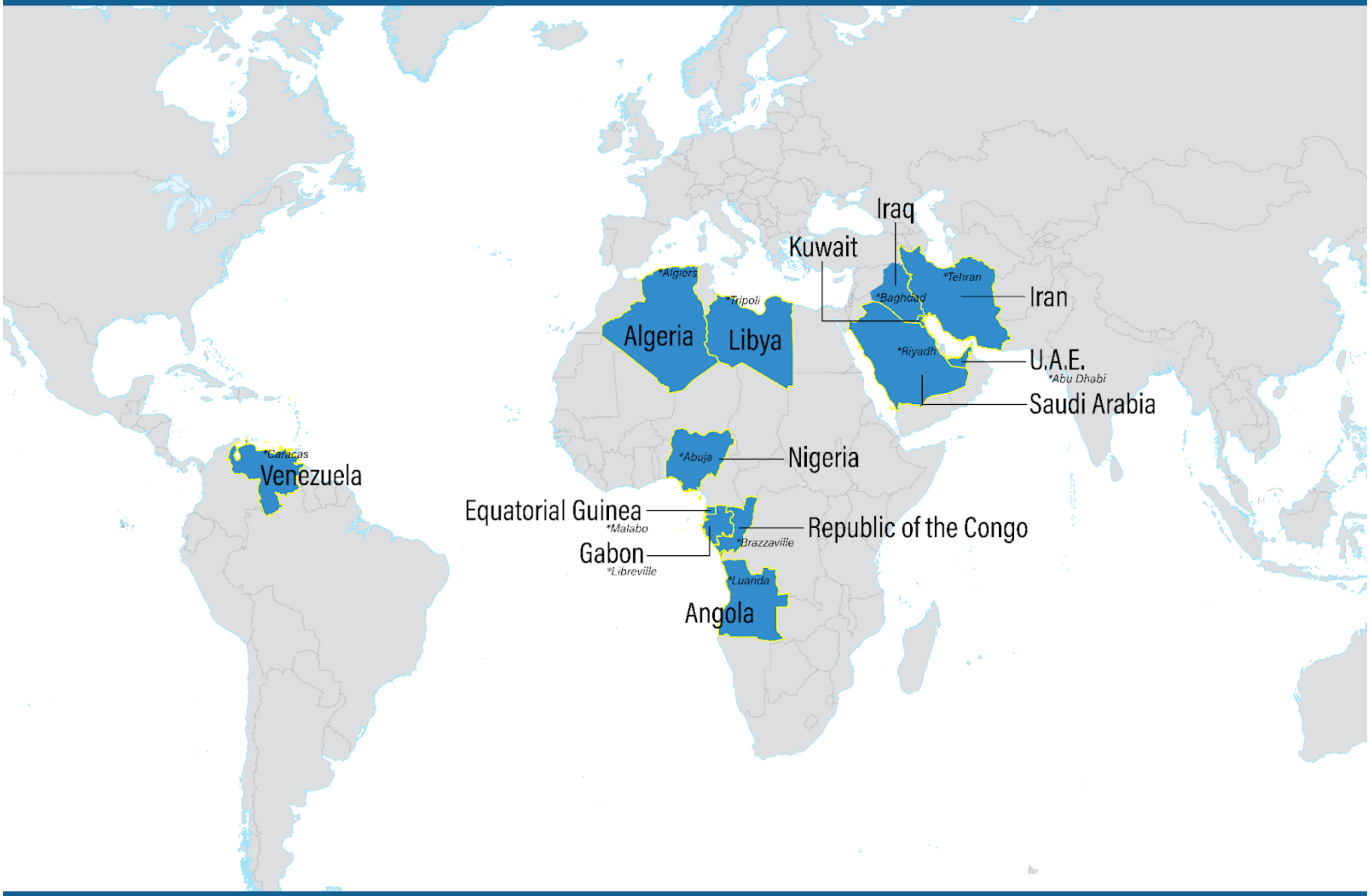

- Intergovernmental organisation, **created at the Baghdad Conference (1960)**
- Headquarter - **Vienna, Austria**
- **Current Members - 13**
- **Members who Quit - Ecuador** (2020), **Qatar** (2019), **Indonesia** (2016)
- **Membership - Open to any country** that is a substantial exporter of oil
- OPEC Fund for International Development – Only globally mandated development institution that provides **financing from member to non-member countries** exclusively.

सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष वर्ष के प्रश्न

⍰⍰⍰⍰⍰:

प्रश्न. "वहनीय, वश्विसनीय, धारणीय तथा आधुनकि ऊर्जा तक पहुँच सतत् वकिास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लयि अनवािर्य है।" भारत में इस संबंध में हुई प्रगतपिर टप्पिणी कीजयि। (2018)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/6th-india-opec-energy-dialogue